Year 14 Issue 03 D.O.P. 10 November 2020 Pages 08 ₹10/- Per Copy © 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com



## Work More Always **Sales Executive Pharmaceutical Formulation Company** Send your CV

goishremedies31@gmail.com 9 09805255088, 09218660003 07837887308

**GO-ISH REMEDIES LTD** 

Near Saify School, Gullarwala, Sai Road, Baddi- 173205 (H.P.



#### Swedish Temperature **Monitoring Solutions** Provider, TSS, **Appoints New** Regional manager For Middle East & India **Operations**

Swedish provider of temperature monitoring solutions for the life science industry appoints Christopher Hobeiche to oversee its operations in the Middle East & India as TSS looks to further strengthen their position in key global markets. TSS, who already serves 4 of the world's lead-

201, Safalya Building, Baburao Paruleker Marg, Dadar West. Ph. 022 61452929 ing pharmaceutical companies, is thereby increasing the opportunities for safe drug delivery in the region. A task particularly important for cold-chain products, such as the upcoming

COVID-19 vaccine distribution. Stockholm, 29 October 2020: Leading cloud temperature management solutions provider, TSS Middle East, today announces the appointment of Christopher Hobeiche as

Raiiv Singhal

the new regional manager for their Middle East operations. Christopher Hobeiche joined the TSS Middle East & India team earlier this month as part of strategic efforts to strengthen company operations in the region. TSS provides temperature monitoring solutions to cater for all stages in the life science supply chain, from API over clinical trials, commercial operations all the way to the

patient. The challenge cines, who need to be temperature surveilupcoming availability COVID-19. To ensure cines are commonly frozen (-20°C), or Health World that up to 50% of vacevery year; a large temperature control unbroken coldcal and life science & India has grown sigwith evolving supply the world's most critito deepen their operalight of the region's Hobeiche is expected



with the distribution of vactransported under strict lance is a hot topic with the vaccines efficiency and safety, vactransported cooled (2-8°C), deep-frozen (-70°C). The Organization estimates cines are wasted globally part because of lack of and the logistics to support chain.1 The pharmaceutiindustry in the Middle East nificantly over the years, chains that serve some of cal markets. As TSS seeks tions in the MEA & India in increasing to spearhead efforts to

Sankha Roy

diwali

"Wishing that this Diwali brings prosperity

to your business and more opportunities

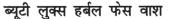
for us to work together!"

IOCD

THE ALL INDIA ORGANISATION OF CHEMISTS & DRUGGISTS

expand the company's client base by capitalizing on the expertise, innovative solutions, and collaborative product development culture that has enabled TSS to partner successfully with some of the world's leading pharma companies to develop tailormade temperature management solutions that advance industry standards and facilitate compliance with industry best practices Established in 1992 and headquartered in Sweden, TSS first established a presence in the Middle East 10 years ago and has since set up a regional operating hub in Dubai. With their suite of cloud-based temperature management solutions designed specifically for pharmaceutical and life science companies, TSS currently serves 4 of the 10 largest pharmaceutical companies in the world and is well recognized in the industry. Christopher Hobeiche joins TSS at a critical times when the company is reviving up to expand its market presence in key regions. He comes to TSS

with extensive regional sales experience, having worked for top-of-the-line corporate software solutions companies operating in the Middle East & India. He was a sales executive at multinational ERP and business solutions provider, SAP, for over 4 years, and had a one-year at Insightsoftware before he was tapped by TSS to lead their Middle East operations.





Beauty looks herbals face wash M/S Puremed Biotech Genrater House Opposite city look Hotel, Sai Road Baddi - 173205 (H.P.) Ph.01795-244446 Email-PUREMED-BIOTECH@gmail.com एक हर्बल फेस वाश प्रस्तुत

किया है, ब्यूटी लुक्स हर्बल फेस वाश, ब्यूटी लुक्स फेस वाश नीम, तलसी, एलोवीरा और टी टी तेल युक्त है। यह चेहरे को साफ कर चेहरे को सुंदर और आकर्षक बनाता है, यह सोप फ्री है तथा 100 प्रतिशत हर्बल है इसका चेहरे पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है, ब्यूटी लुक्स फेस वाश बाजार में 100**ml** के आकर्षक पैक में उपलब्ध है जिसका अधिकतम मूल्य 125 रू है व्यापार की इच्छुक पार्टियों कम्पनी के व्यापार प्रमुख श्री प्रशांत मोहन से मो॰ 9882011313, 9736701313 पर सर्म्पक कर सकते है.



ct Detail: 0172-2569292 / 2568292 / 9814924737 / 7696099905 / 9877640753 / 9569569292

# www.medicaldarpan.com





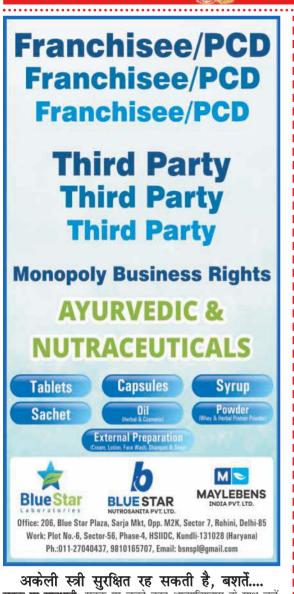
bluewater.chd@gmail.com

Web: www.lifevisionhealthcare.co.in,

www.bluewaterresearch.co.in

Nasal Drops, Ointments, Hormones,

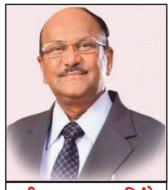
All Derma Range



सड़क पर सावधानी: सड़क पर चलते वक्त आत्माविश्वास के साथ चलें. चौकन्नी से इधर-उधर देखते रहें तथा यदि अहसास हो कि कोई आपका पीछा कर रहा है तो सुनसान पथ को भीड़-भाड़ वाले पथ की ओर रूख लें. चलते समय गाडियों से सटकर नहीं चलें वरना अकस्मात् गाड़ी में दरवाजा खोल आपको खींचने का जोखिम बना रहता है. हरदम आरामदेह जूते-चप्पल पहनें ताकि आवश्यकता पड्ने पर भागने में सुगमता हो. दिक्कत आने पर शीघ्र शोर मचाएं. घर में सावधानी: घर में रोशनी की उपयुक्त व्यवस्था हो. मुख्य द्वार के बाहर रोशनी अवश्य हो जिसका स्विच घर के अंदर हो. घर की चारदीवारी ऊँची हो या फिर पर्दे लगे हों ताकि किसी भी दिशा में भीतर की गतिविधियां बाहर से देखी न जा सके. मुख्य द्वार सुदृढ़ हो जिसमें ताले की यथेष्ट व्यवस्था हो. घर का दरवाजा हरदम अंदर से बंद रखें तथा आगंतुक के बारे में समग्र रूप से संतुष्ट होकर ही खोलें. घर में गहने तथा रूपये कम रखें तथा यदि रखना ही पड़े तो उन्हें ऐसे स्थान पर छुपाकर रखें जहां उसे सरलता से खोजा जा सके. अपने पड़ोसियों से बेहतर रिश्ता बनाकर रखें ताकि आवश्यकता में वे काम आ सकें. घर में खतरे की घंटी जरूर रखें. जरूरत पड़ने पर शीघ्र बजाएं. कार्यालय में सावधानी: कार्यालय के आसपास खड़े लोगों या दुकानदारों से अधिक घुले-मिले नहीं लेकिन पहचान जरूर रखें. देर रात्रि की ड्यूटी समाप्त होने पर चौकीदार के साथ ही अपने वाहन तक जाएं. सौंदर्य प्रसाधनों का कार्यालय में कम से कम प्रयोग करें. भडकाऊ, या देह प्रदर्शित करने वाले कपड़े न पहनें. कार्यालय में लिफ्ट में चलते समय या गलियारे से गुजरते समय प्रयास करें कि आपके साथ सहकर्मी हों. उपरोक्त बातों को ध्यान रख काफी सीमा तक अपराधियों से स्वयं को बचाया जा सकता है लेकिन यदि अपराध घटित हो ही गया हो तो निम्न बातों पर ध्यान बेहद जरूरी है- यदि घर में चोर घुसे हों और आपकी नींद खुल जाए, तो आप नींद का बहाना बनाकर चुप-चाप पडे रहिए वरना आपके चीखने पर अपराधी हिंसक हो सकते हैं. सडक पर यदि कोई असामाजिक तत्व आपको घेर ले तो रूपये तथा आभूषणों चिंता किए बिना सब कुछ छोडकर भागे क्योंकि व्यावहारिक बात यह है कि जिदंगी के मुल्य के आगे ये भौतिक वस्तुएं कुछ भी नहीं है. यदि आपके साथ कोई अपराध घटित हो, तो शीघ्र पुलिस, वकील तथा

## महाराष्ट्र स्टेट कैमिस्ट एण्ड ड्रिगस्ट एसोसियेशन की निर्विरोध गठित कार्यकारिणी

🦓 🤼 सभी देशवासियों को दीपावली, गोवर्धन व भैयादूज की हार्दिक शुभकामनायें 🎎 🦓



जगन्नाथ शिंदे अध्यक्ष



श्री अनिल नावंदर सचिव



उपाध्यक्ष











BlueSta

सरोग्लिटजार एमजी ने 'द लिवर मीटिंग 2020' में दो पोस्टर प्रस्तुति देने के लिए

13-16 नवंबर, 2020 को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ द लिवर डिजीज (AASLD) द्वारा एक एनुअल मीटिंग आयोजित की जा रही है, जिसका नाम "द लीवर मीटिंग 2020" रखा गया है। इस मीटिंग में एक लेट-ब्रेकर ओरल प्रेजेंटेशन और Saroglitazar Mg पर दो पोस्टर

प्रेजेंटेशन को प्रेजेंट करने के लिए पर्मिशन मिल गई है, जानकारी Zydus ने एक घोषणा के दौरान दी। बता दें कि, प्राइमरी कोलनगिटिस (Primary Biliary Cholangitis (PBC)) और नॉन-अल्कोहॉलिक स्टीऑटो हेपेटाइटिस (Non& Alcoholic Steato Hepatitis (NASH)) के पेशेंट्स में सेफ्टी, टोलेरबिलिटी एफ्फीसेसी क्लीनिकल ट्रायल्स के वेरियस स्टेज में एवलुयूट करने के लिए Saroglitazar Mg भी शामिल है। डेवलोपमेन्ट पर बात करते हुए कैंडिला हेल्थकेयर के अध्यक्ष पंकज

Contact f @ in 💆 आर पटेल ने कहा, "हम अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ द लिवर डिजीज (AASLD) द्वारा आयोजित "द लिवर मीटिंग डिजिटल एक्सपीरियंस" (Annual Meeting) में Saroglitazar Mg पर नए डेटा प्रेजेंट करने के लिए एकदम तैयार हैं। वहीं, Zydus भी PBC और NASH जैसे लिवर डिजीज वाले पेशेंट्स के लिए नावेल थेरेपीज को डेवेलोप करने के लिए किमटेड है."

**WE ARE HIRING!** 

MARKETING MANAGER

(Ayurvedic & Nutraceuticals)

☑ For Third Party Manufacturing Marketing

☑ For Franchise/PCD Marketing

☑ For B2B Marketing

#### SRM Medicity Hospital बनाता है उल्टे उस्तरे से हजामत



अगर आप ज्यादा रूपये खर्च करके ज्यादा समय में अपना ईलाज कराना चाहते हैं और अपनी बची-खुची जेब भी कटवाना चाहते हैं, तो चले जाईये SRM Medicity Hospital Haridwar Road, Opp. Gulmohar Greens, near Pitambar Farms, Sherpur Roorkee (U.K.). रूड़की से कुछ कैमिस्ट होलसेलर्स और मरीजों से जानकारी मिली है कि अखिलेश

चन्द्र **गुप्ता मो॰ 9837443335** कुछ वर्ष पहले रूड़की की अनाज मंडी में डयूक फार्मा के नाम से एक रिटेल कैमिस्ट शाप चलाता था और उस समय भी यह अपने व्यवसाय में व्यवहारिक बिल्कुल भी नहीं था, अति महत्वाकांक्षा के चलते अब उसने कुछ समय पहले SRM Medicity Hospital के नाम से एक अस्पताल खोला है जहाँ पर सारी अनियमितताओं का बोलबाला है. रूड़की से कुछ कैमिस्ट होलसलर्स ने जानकारी दी है कि यह व्यक्ति रूपये 500 का भी माल मगाकर पेमेंट नहीं देना चाहता, मजबरी दिखाता है और होलसेलर को लगातार चक्कर कटवाता है और बहानेबाजी करता है. इस अस्पताल में डॉक्टर्स का आलम यह है कि कोई भी डॉक्टर 1 महीने से ज्यादा नहीं टिक पाता क्योंकि डॉक्टर्स का पेमेंट भी यह व्यक्ति डकारने की फिराक में लगा रहता है. स्टाफ भी परेशान है क्योंकि उसकी पगार उसे टाइम पर नहीं मिलती इसलिए यह व्यक्ति आये दिन स्टाफ भी बदलता रहता है. मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस प्रतिनिधी के सर्वे के अनुसार रूड़की शहर के कुछ गणमान्य महानभावों ने भी इस व्यक्ति के अस्पताल खोलने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए जानकारी दी है कि यह नियत खराब व्यक्ति है इसके यहाँ कार्य करने वाले डॉक्टर्स, स्टाफ और ईलाज के लिए जाने वाले मरीजों का भगवान ही मालिक है.



अनुपमा चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से डॉ॰ पराग काम्बोज करेंगे निशुल्क ऑपरेशन

ऑपरेशन के लिए लकी ड्रा मुख्य अतिथि मुजफ्फरनगर कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुभाष चौहान द्वारा निकाला गया. मुजफ्फरनगर- जनपद मुजफ्फरनगर में अनुपमा चौरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से वरिष्ठ लेप्रोस्कोपी सर्जन डॉक्टर पराग काम्बोज के प्रेमपुरी स्थित अस्पताल में कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 3 मरीजों का लॉटरी के माध्यम से लकी ड्रा ऑपरेशन के लिए निकाला गया. ऑपरेशन के लिए लकी ड्रा मुख्य अतिथि मुजफ्फरनगर कैमिस्ट एंड ड्गिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुभाष चौहान द्वारा निकाला गया, आज का लकी ड्रा जानीस्ता नामक मरीज का नाम निकलने पर उसका पूर्णतया ऑपरेशन निशुल्क डॉ पराग काम्बोज के द्वारा करना सुनिश्चित हुआ. वरिष्ठ लेप्रोस्कोपी सर्जन डॉ पराग काम्बोज के अस्पताल में प्रत्येक रविवार को जरूरतमंद मरीजों का लाटरी के माध्यम से लकी ड्रा निकालकर एक मरीज का ऑपरेशन किया जाएगा. इस अवसर पर (महामंत्री) संजय गुप्ता (कोषाध्यक्ष) सतीश तायल (सदस्य व्यापार कल्याण बोर्ड) सचिन त्यागी (राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय हिंदू शक्ति दल) अरुण प्रताप सिंह, संदीप भारद्वाज, कुलदीप शर्मा, अमित, जॉनी, आशीष, सोनू, दीपा, नीना ,दीपक, कुलदीप, हुकुमचंद, सुमित आदि उपस्थित रहे. - सुभाष गौड़, मो॰ 9568759677.

#### भारत में पहली बार

देश की अग्रणी दवा निर्माता कम्पनी STADMED Ph. No.: 033-2474-0650, 0651,0653 ने विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर भारत में पहली बार PULMOCOD CG (VitaminA, D<sub>3</sub>, B-Complex, Calcium Hypophosphite, Creosote & Guaiacol) के साथ PULMOCOD PLAN (Vitamin A, D<sub>3</sub>, B-Complex, Calcium Hypophosphite) साथ रखें, • द्विपद्धतीय चिकित्सा जो कि क्षयरोग को ठीक करने में मदद करता हैं को बाजार में प्रस्तुत किया है. इसकी विशेषता इसका Sugar Free होना है.

## www.medicaldarpan.in





Email: quest\_pharma@yahoo.co.in, visit at: www.questpharma.co.i



#### गांधी-नेहरू समझौता (1947)



(1) गांधी ने, स्वतन्त्रता संघर्ष के दौरान और 1947 में देश विभाजन की सहमति देने के बाद भी, हिन्दुओं को यह आभास नहीं होने दिया कि यह हिन्दू धर्म की उत्पत्ति वाला देश है अत: खण्डित देश का नाम हिन्द्स्तान रखा जाना चाहिए. (2) गांधी, हिन्दू विरोधी और मुस्लिम प्रेमी थे. (3) गांधी की इच्छा थी कि खणिडत भारत भी हिन्दू राष्ट्र नहीं बने. (4) इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने नेहरू को उपयुक्त माना. (5) नेहरू भी हिन्दू विरोधी और मुस्लिम प्रेमी थे, उनके दादा मुस्लिम थे. (6) कांग्रेस के प्रचण्ड बहमत की इच्छा थी कि सरदार पटेल को प्रधान मंत्री बनाया जाए

लेकिन गांधी ने अपना लक्ष्य पाने के लिए लोकतंत्र की हत्या करके नेहरू को प्रधानमंत्री बनवा दिया. (7) आर्यों और स्वंय सेवकों ने भी विरोध नहीं किया जबिक पटेल को बनवाना बहुत अच्छा रहता. (8) हिन्दू के खराब दिन (712 से 1947 तक) चल रहे थे और अभी भी चल रहे है. (9) श्रद्धानन्द ने गांधी को महात्मा और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने राष्ट्रिपता कहकर महान गलती की. (10) नेहरू ने प्रधान मंत्री बनकर गांधी की इच्छा पूरी कर दी और भोला-मुर्दा-अधूरदर्शी हिन्दू ठगा गया, उसे कुर्बानी कर फल नहीं मिला. (11) खणिडत भारत से केवल 75 लाख मुस्लिम पाकिस्तान गए जबकि 3 करोड मुस्लिम यहीं रह गए. (12) विदेशी ईसाई मिशनरी भी अपने 2 देश जाने की तैयारी करने लगे थे. (13) नेहरू ने घोषणा कर दी कि खणिडत भारत सब का है केवल हिन्दुओं का नहीं है, यह धर्म निष्पेक्ष राष्ट्र बनेगा, इस खिचड़ी राष्ट्र में सभी धर्मों के लोग प्रेम भाव से मिल जुलकर रहेंगे. (14) विदेशी धर्म के प्रचारकों को भी नए संविधान में धर्म प्रचार और धर्म परिवर्तन कराने का अधिकार दिया जाएगा. (15) हिन्दुओं को स्कूल-कॉलेजों में धर्म शिक्षा देने का अधिकार नहीं होगा जबिक अल्पसंख्यकों को यह अधिकार मिलेगा. (16) जिन्ना ने हिन्दुओं से कहा था कि वे हिन्दू महासभा को अपनाएं. (17) यदि हिन्दू मान जाते तो हिन्दुस्तान में हिन्दू 98 प्रतिशत हो जाते, सारे मुस्लिम पाकिस्तान भेज दिए जाते. (18) ईसाई-पारसी-यहूदी अल्पसंख्यक के रूप में रहते, धर्म प्रचार और धर्म परिवर्तन कराने का अधिकार नहीं दिया जाता. (19) अब हिन्दू 80 प्रतिशत रह गए हैं, मुस्लिम 35 वर्षों के बाद पुन: शासक बनना चाहते हैं. (20) हिन्दू अभी भी गांधी वादी है, उसका भविष्य उज्जवल नहीं है.

इन्द्र देव गुलाटी, मो॰: 8958778443.



Ph.: 0172-5025098, 92162-95095

Website: www.medonsindia.com

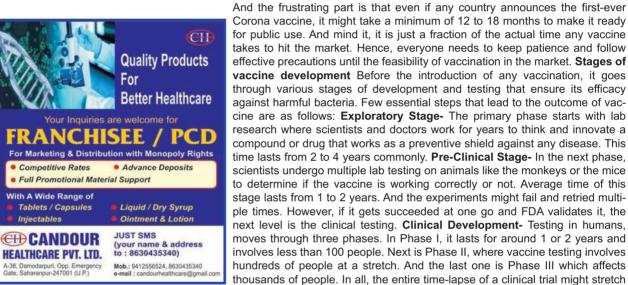
E-mail: infomedonsindia@gmail.com

**Medons India** 

#### The World Awaits The COVID **Vaccine- Hope The Wait Ends Soon!**

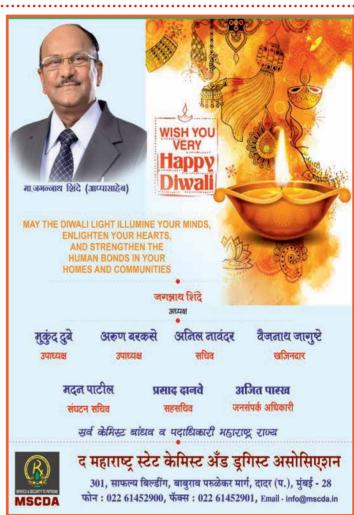
With the spread of Coronavirus, people across the world are waiting desperately to end this horrific terror, and only the vaccination is a solution to stop this dreadful Pandemic. COVID-19 is an awful virus that took the whole world on a toll with thousands of deaths and millions getting infected from it. Even after so many Lockdowns and Sanitization efforts, the counts are only shooting up in countries like India. Even the latest Pharma updates claim the scientists and researchers all over the globe are in full fling to come up with an effective Corona Vaccine. People are still waiting to get delighted with the Pharma news of COVID vaccine launched successfully all over. How can Corona Vaccine protect against COVID-19? As per the health experts, COVID-19 Virus enters and triggers your body; the immunity system creates antibodies of high value. With the help of a robust vaccine, your body can generate more elevated antibodies to combat Coronavirus that results in weakening of these viruses. Hence, doctors state that you can prevail a better immunity against this illness, and the terror of COVID-19 would finally come to an end. Even if it hits someone, the effect would be much milder as that of the common flu. Latest Pharma updates suggest that the Corona Vaccine can slow down the pandemic severity in the world and save a lot of lives against it. What is the process to develop COVID Vaccine? The biggest quest in front of the world is when this mysterious disease would come to an end? And the only answer is the development of an effective vaccine. All major countries, including India, are trying day and night to come up with the best vaccine and are at several levels of vaccination development as per the recent reports from WHO (World Health Organization). Few of them

have already begun the clinical trials and claim to launch it soon. But a few things take time to like it takes a while for the vaccine to show its results on any person's immunity system, and it is mandatory to check responses to determine if there are any side-effects. Pharma news keeps updating on the latest developments related to the vaccine so that people stay aware of it.



thousands of people. In all, the entire time-lapse of a clinical trial might stretch to 15 years or even more at times. And only 1/3rd of vaccine trials even reach the final stage of development. Regulatory scrutiny and Approval- Scientists who get FDA and CDC can move to clinical trials and then their part is over. Manufacturing- Next comes the manufacturers who start with production. You receive an update through Pharma News as soon as the vaccine is out for production. Now FDA inspects the production factory and approves the drug labelling. Quality Check- Next comes the quality check where government agencies and scientists keep a close eye on the drug-making procedure and also examines the people on whom trial goes off. Once all is good, the vaccine is out for

sale. All of this is important to know the precision of this extensive process where a vaccination might take half a decade to succeed. But looking at the plight of this Pandemic where mark already crossed over 14 million worldwide and the recorded deaths of 6 lakh people, WHO and the world are racing hard to get the Corona Vaccine to fight this disease. Several countries, including the US, China, Russia, UK and India, are trying hard to get the vaccine for Coronavirus at the soonest. Almost 130 types of vaccines are under various testing stages to fight COVID-19, and no one knows when the world would get the news of vaccine launch. Russia- As per the latest Updates, Moscow State Medical University claimed to complete the clinical trials related to this vaccine. They might soon come up with big news that the world is waiting for. China- China Company Sinovac was already reaching the third stage of the Corona Vaccine and did a clinical trial on 15,000 registered volunteers from Abu Dhabi. They claim of noticing potent antibodies of those people, but there is no official announcement on the same. UK- the UK is in full swing to launch the COVID-19 vaccine with support of Oxford University and Imperial College, and already 150 people are on a clinical trial. By November, the count would reach till 6000, and we hope to get some big news by the end of this year. India- Latest Updates revealed two medicines Covaxin and ZyCov-D developed by Bharat Biotech and are under its initial phases. Many volunteers are approaching for the trials, and almost 100 million doses are ready after the successful clinical trials. It is to be out by March of next year. There are also Australia and the US in the league of Vaccine development. Wrap up We bring you the latest pharma news from India and all over the world on current changes and developments in the healthcare Industry. Coronavirus is a saddening pandemic that is affecting the lives of thousands, and even the Pharma Industry is fighting its effects. Corona Vaccine can be a new dawn for the entire world, which is dealing with its grievances as this disease collapsed the economic and infrastructural growth of the whole world badly. Experts claim that the start of 2021 might bring up the first-ever Corona Vaccine and brings this issue to an end. Let's hope to find the solution soon that India and the world go back to 'OLD NORMAL'.





PHARMAZAIN LIFE SCIENCES

M.F.ANSARI

Redg. off.: 45/11, Shastri Nagar, Meerut-250004 (U.P.) Ph.: 0212-2601077 Cell: 09359949588, 09412303030

E-mail: pharmazain@amail.com





























महामारी बनता गले का कैंसर जमाने की रफ्तार के साथ भागते हुए दुनिया भर में लाखों-करोंड़ों की संख्या में लोग कामकाजी हैं. जो दिन भर नई-नई उलझनों में फँसते रहते हैं जैसे- ऑफिस की टेंशन, घर की टेंशन, रिश्तों की टेंशन, जिम्मेदारियों की टेंशन या फिर कुछ और ऐसे में मनुष्य अपनी टेंशन को दूर करने या फिर उससे छुटकारा पाने के लिए कुछ गलत तरीकों को अपनाता है या फिर यूँ कह लीजिये कि जाने अनजाने में कुछ जानलेवा चीजों को अपनी आदत बना लेता है. आमतौर पर देखा जाता है कि जब कोई टेशन में होता है तो फिर सबसे पहले वो बोड़ों, सिगरेट, शराब, तम्बाकू जैसी कुछ खतरनाक चीजों का सेवन करता है पर क्या ये सही है? क्या हम जानते हैं कि जाने–अनजाने में हम कितनी बड़ी बीमारी को न्यौता दे रहे हैं? दरअसल आज हमारे देश की युवा पीढ़ी ने तम्बाकू के विषय में अनेक गलत धारणाएँ पाल रखी हैं. वे समझते हैं कि इसके इस्तेमाल से वे अपने अंदर आत्मविश्वास पैदा करते हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है. देश की राजधानी दिल्ली से लेकर पूरे देश के पुरूषों में गले व मुँह के कैंसर के मामले में तेजी से वृद्धि हो रही है. लेकिन अब महिलाएँ भी पीछे नहीं हैं. हाँ ग्रामीण महिलाओं की तुलना में शहरी महिलाओं में यह ज्यादा पाया जा रहा है. आज बाजार में तम्बाकू के तरह–तरह के उत्पाद मौजूद हैं. जैसे पान मसाला, गुटका, सिगरेट, सिगार से लेकर बीड़ी तक. आज स्कूली बच्चे बड़ी संख्या में पान मसाले के आदि होते जा रहे हैं. सबसे दुर्भाग्य की बात तो यह है कि पंद्रह-सोलह वर्ष तक के बच्चे भी बड़ी संख्या में इसके आदी होते जा रहे हैं. आजकल युवाओं की शान में शामिल है कि वो सिगरेट और तम्बाकू का सेवन करें, क्योंकि यदि वो मना कर देंगे तो उनकी बेइज्जती हो जायेगी. पर ठहरिये! कहीं आपका एक कदम आपसे आपकी कीमती जान ना छीन ले जाये. देश भर में देखा जा रहा है कि गले के कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी बहुत ज्यादा पनप रही है साथ ही कैंसर के बारे में ये भी सुना और माना जाता है कि ये एक लाइलाज बीमारी है. पर क्या आप जानते हैं कि गले का कैंसर होता क्यों है? इसके ्र लक्षण क्या हैं साथ ही इसका उचित इलाज क्या है? नोएडा स्थित फोर्टिस हॉस्पिटल के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ० अमित अग्रवाल कहते हैं कि गले का कैंसर एक खतरनाक बीमारी है. जिसमें मरीज को बोलने, खाना खाने, साँस लेने जैसी. बहत सी तकलीफों से गुजरना पड़ता है. ऐसे में गले के कैंसर से बचना बेहद जरूरी है. जो मनुष्य धूम्रपान या तम्बाकू का उपयोग करते हैं उन्हीं को गले का कैंसर का विकसित होने का खतरा रहता है. अत्यधिक शराब का उपयोग भी इसका खतरा बढ़ा देता है. गले का कैंसर महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों में 10 गुना अधिक पाया जा रहा है. 50 वर्ष की उम्र को पार कर चुके परूषों में ये कैंसर अधिक देखने में आ रहा है. इस कैंसर से पीडित लोगों को खन की खाँसी. साधारण खाँसी. खाना निगलने में कठिनाई, स्वरों का बैठना, गर्दन में दर्द, सूजन या गले में गाँठ का होना, अचानक ही वजन का घटना ऐसी ही कुछ खास परेशानियों का सामना करना पड़ता है. ऐसे कछ लक्षणों को देखने के बाद टेस्ट करा लेना चाहिए, गर्दन और गले का टेस्ट कराने से भी इसका पता चल सकता है. कैंसर की पुष्टि के लिये कपास सीटी स्कैन, एम आर आई भी कराई जाती है. गले के कैंसर को जानने के लिये एक खास टेस्ट कराया जाता है. इस टेस्ट के अंतर्गत मरीज के टयूमर की सही स्थिति को जान लिया जाता है, टेस्ट को ऑपेरेटिंग कमरे में किया जाता है. इस कैंसर में तीन थेरेपी या फिर युँ कहें लीजिये कि तीन तकनीकों से इलाज किया जा सकता है जैसे कि सर्जरी, विकिरण चिकित्सा, और कीमो चिकित्सा. **सर्जरी चिकित्सा,** के अंतर्गत अगर टयुमर छोटे और स्थानीय हैं तो उसे कम साइड इफेक्ट के साथ निकाला जा सकता है. पर अगर, ट्यूमर उन्नत है और आस-पास के क्षेत्रों में फैला हुआ है तो सर्जरी और अधिक व्यापक होनी चाहिए. उन्नत ट्यूमर सर्जरी की स्थिति में बोलने, खाना चबाने, निगलने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है. फिर इसके पश्चात् एक सर्जरी के अंतर्गत बोलने, चबाने, निगलने और साँस लेने की स्थिति को सुधारा जा सकता है. जरूरत पड्ने पर व्यापक सर्जरी के पश्चात् खाना खाने हेतु एक टयूब का प्रयोग किया जाता है जिसके माध्यम

से आहार विशेषज्ञ द्वारा बताये गये खाने को खाया जा सके. विकिरण चिकित्सा- इस चिकित्सा को प्राथमिक उपचार में काम में लाया जाता है, इसका चयन छोटे व अविकसित ट्यमर के लिए किया जाता है, उन्तत ट्यमर में इसे सर्जरी के पश्चात् किया जाता है. **कीमांथैरेपी**- इस चिकित्सा का प्रयोग भी कैंसर की कोशिकाओं को मारने के लिये किया जाता है. इस थैरेपी को कैंसर के लिये प्रभावी दवाओं के साथ इलाज़ के संयोजन के लिये काम में लाया जा रहा है. इस थैरेपी की सहायता से प्रभावी दवाओं के साथ-साथ पीड़ित क्षेत्र पर कैंसर के उपचार हेतु टयूमर को नष्ट करने और फैलने से बचाया गलें के कैंसर में रोगी 90 प्रतिशत ठीक हो जाता है, उन्नत ट्यूमर में इसे विकिरण चिकित्सा के संयोजन में दिया जाता है. सकता है पर उसके लिये शुरूआती स्थिति में बीमारी का पता चल जाना जरूरी है. अगर कैंसर गले में आस-पास के क्षेत्रों में फैल गया है तो इसके ठीक होने की उम्मीद 60 प्रतिशत होती है यदि कैंसर सिर, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में फैल गया है तो इसे ठीक करना संभव नहीं, उपचार के बाद रोगियों को आम तौर पर चिकित्सा की दिक्कत महसूस हो सकती है. यदि खाना खाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है उसके लिये एक विशेष टयूब की सहायता ली जाती है. डॉ॰ अमित अग्रवाल का कहना है कि कैंसर का इलाज संभव है बशर्ते उसका पता शुरूआती स्थिति में लग जाये. मुँह व गले का कैंसर हमारे खान-पान व आदतों से जुड़ी बीमारी है और इसका परिणाम भी घातक ही होता है. भले ही अब अंतिम अवस्था तक इसके इलाज की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन इनसे बचाव ही बेहतर और सबसे सरल इलाज है. - डॉ॰ अमित अग्रवाल, मो॰ 09971611311.

#### हिम्मत मत हारो

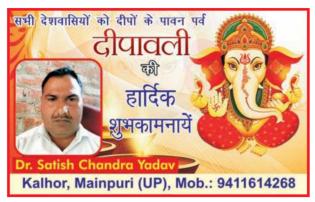
मन के हारे-हार है! मन के जीते जीत ! आप विश्वास कीजिए, आप से बेहतर कोई नहीं, अपने आप को जानिए, आज के दिन का पूरा उपयोग करें. एक दिन एक किसान का गधा कुएँ में गिर गया. वह गधा कई घंटो से ज़ोर-ज़ोर से रोता रहा और किसान सुनेता रहा और विचार करता रहा कि उसे क्या करना चाहिए और क्या नहीं,अंतत: उसने निर्णय लिया कि गधा काफी बूढा हो चुका था, अत: उसे बचाने से कोई लाभ होने वाला नही था. और इसलिए उसे कुएँ में ही दफना देना चाहिए. किसान ने अपने सभी पड़ोसियो को मदद के लिए बुलाया . सभी ने एक-एक फावड़ा पकड़ा और कुएँ में मिट्टी डालनी शुरू कर दी. जैसे ही गधे की समझ में आया कि यह क्या हो रहा है, वह ज़ोर-ज़ोर से चीखकर रोने लगा . और अचानक फिर वह शांत हो गया. सब लोग चुपचाप कुएँ में मिट्टी डालते रहे. तभी किसान ने कुएँ में झाँका तो वह आश्चर्य मे पड़ गया. अपनी पीठ पर पड़ने वाले हर फावड़े की मिटटी के साथ वह गधा एक आश्चर्यजनक हरकत कर रहा था. वह हिल-हिल कर उस मिट्टी को नीचे गिरा रहा था और फिर एक कदम बढ़ाकर उस पर चढ़ जाता था. अन्त में वह गधा कुएँ के किनारे पर पहुँच गया और फिर कूदकर बाहर भाग गया. ध्यान रखो कि तुम्हारे जीवन में भी तुम पर बहुत तरह कि मिट्टी फेंकी जायेगी, बहुत तरह की गदगी तुम पर गिरेगी. जैसे कि, तुम्हे आगे बढ़ने से रोकने के लिए कोई बेकार में ही आलोचना करेगा. कोई तुम्हारी सफलता से ईर्घ्या के कारण तुम्हे बेकार में ही भला बुरा कहेगा. कोई तुमसे आगे निकलने के लिए ऐसे रास्ते अपनाता हुआ दिखेगा जो तुम्हारे आदर्शों के विरूद्ध होंगे. ऐसी स्थिति में तुम्हें हतोत्साहित होकर कुएँ में ही पड़े नही रहना है बल्कि साहस के साथ हिल- हिल कर हर तरह कि गंदगी को गिरा देना है और उससे सीख लेकर, उसे सीढ़ी बनाकर, बिना अपने आदर्शों का त्याग किये अपने कदमों को आगे बढाते जाना है. जीवन में आगे बढ़ने के लिए याद रखना चाहिए (1) नकारात्मक विचारों को उनके विपरीत सकारात्मक विचारों से विस्थापित करते रहो.(2) आलोचनाओं से विचलित न हो बल्कि उन्हें उपयोग में लाकर अपनी उन्नित का मार्ग प्रशस्त करो. - परवेज़ अली खान, मो॰ 9412386917.





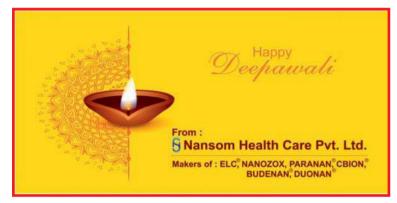








ww.medicaldarpan.co



#### कम्प्यूटर-लैपटॉप पर काम करने वाले 30 प्रतिशत लोगों को इस सिंड्रोम का खतरा, जानें बचाव

लैपटॉप और कम्प्यूटर ने हमारी जिंदगी को जितना आसान बनाया है, इससे खतरे भी उतने बढ़े हैं. लगातार घंटों लैपटॉप और कम्प्यूटर पर काम करने के कारण आपकी आँखों पर तो बुरा प्रभाव पड़ता ही है, साथ ही इससे आपकी उंगिलयों में भी कई समस्याएँ हो सकती हैं. कार्पल टनल सिंड्रोम एक ऐसी ही बीमारी है, जिसका खतरा उन लोगों को होता है जो अपना ज्यादातर समय कम्प्यूटर, लैपटॉप पर टाइपिंग करते हुए बिताते हैं या स्मार्टफोन पर बिताते हैं. इस रोग में हाथों में दर्द और बीच की उंगली में संवेदना न होना, जैसी परेशानियाँ आती हैं. आपको बताते हैं टनल सिंड्रोम से जुड़ी जरूरी बातें. 30 प्रतिशत युवा हो रहे हैं शिकार:- एक शोध के मुताबिक भारत में 30 प्रतिशत युवाओं में माँपेशियों और स्नायु सम्बन्धी बीमारियाँ देखी गई हैं. इस शोध में ऐसे लोगों को शामिल किया गया था जो लोग दिन में 7 घंटे से ज्यादा समय लैपटॉप, कंप्यूटर या स्मार्टफोन पर गुजारते हैं. इस रोग के कारण एक उम्र के बाद

व्यक्ति की कैलाइयों में दर्द रहने लगता है और कई बार सामान उठाने, शौच

क्रिया करने आदि में उंगलियाँ साथ नहीं देती हैं. ऐसे में ज्यादातर बार सर्जरी का सहारा लेना पड़ता है. क्या हैं कार्पल टनल सिंड्रोम के लक्षण:- यह समस्या एक साथ दोनों हाथों में भी हो सकती है. इस रोग की सबसे खास बात यह है कि सबसे छोटी उंगली (कनिष्ठा) पर इसका कोई असर नहीं पड़ता. इस रोग से ग्रस्त व्यक्ति को हाथ में सूजन महसूस हो सकती है और हथेली से लेकर कुहनी तक दर्द भी हो सकता है. रात में या जब हाथ गर्म हो दर्द या सुन्नपन बढ़ जाता है. पीड़ित अपने हाथ में कमजोरी महसूस करने लगता है. व्यक्ति चीजों को आसानी से पकड़पाने में असमर्थ रहता है. चीजें उसके हाथ से छूटने लगती हैं. उसके लिए किसी चीज को उठा पाना बहुत मुश्किल हो जाता है. कुछ महिलायें हर्मोंस में बदलाव की वजह से इस बीमारी की चपेट में आ सकती हैं. ड्राइविंग में भी बरतें सावधानी:- हाथों व कलाइयों पर अधिक दबाव डालने से बचना चाहिए. यदि आप लंबी दूरी तक लगातार ड्राइव करते हैं तो कोशिश करें कि स्टियरिंग व्हील या हैंडल पर आपकी ग्रिप थोडी ढीली रहे ताकि कलाइयों पर ज्यादा दबाव न बने. हाथों पर दबाव डालकर नहीं

तािक कलाइयों पर ज्यादा दबाव न बने. हाथों पर दबाव डालकर नहीं
सोना चािहए. सही मुद्रा में सोना चािहए तािकी हाथों की नसों पर दबाव
न पड़ें. हाथों की एक्सरसाइज है फायदेमंद:— कार्पल टनल के दर्द को
नियमित एक्सरसाइज हे भायदेमंद:— कार्पल टनल के दर्द को
नियमित एक्सरसाइज हे भायदेमंद:— कार्पल टनल के दर्द को
नियमित एक्सरसाइज हममें बहुत मददगार सािबत होती हैं. बांहों, कलाइयों
और उंगिलयों को स्ट्रेच करने, कंधों और गर्दन की सामान्य एक्सरसाइज करने, कलाइयों
को क्लॉक वाइज और एंटी क्लॉक वाइज घुमाने जैसे एक्सरसाइज करने, कलाइयों
जा सकता है. कैसे संभव है कार्पल टनल सिंड्रोम से बचाव:— अपने शरीर को लेकर विशेष
सावधानी बरतें. उंगिलयों को बीच-बीच में आराम देते रहिये. • कंप्यूटर पर काम करने वालों
के लिए जरूरी है कि वे अपनी कमर, बाजुओं और पैरों को ऐसी स्थित में रखें कि कलाई
को तेरान थोड़ी-थोड़ी देर में हाथों को आराम देते रहें. • कंप्यूटर पर काम करते वक्त की-बोर्ड
को दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में हाथों को आराम देते रहें. • कंप्यूटर पर काम करते वक्त की-बोर्ड
को दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में हाथों को आराम देते रहें. • कंप्यूटर पर काम करते वक्त की-बोर्ड
को दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में हाथों को आराम देते रहें. • कंप्यूटर पर काम करते वक्त की-बोर्ड
को है के अगर समय रहते सही उक्त साध रखने की
कोशिश करें. • कलाई, कमर व गर्दन का व्यायाम रोजाना करें.



#### मस्तिष्क आघात के मरीज को कैसे पहचानें?

मिस्तिष्क आघात - ब्रेन स्ट्रोक अथवा आम भाषा में दिमाग की नस फटना या ब्रेन-हैमरेज भी कह देते हैं. इस के बारे में पोस्ट डाक्टर साहब लिखते हैं. एक पार्टी चल रही थी, एक मित्र को थोड़ी ठोकर सी लगी और वह गिरते गिरते संभल गई और अपने आस पास के लोगों को उस ने यह कह कर आश्वस्त किया कि सब कुछ ठीक है, बस नये बूट की वजह से एक ईट से थोड़ी ठोकर लग गई थी। (आस पास के लोगों ने ऐम्बुलैंस बुलाने की पेशकश भी की). साथ में खड़े मित्रों ने उन्हें साफ होने में उन की मदद की और एक नई प्लेट भी आ गई, ऐसा लग रहा था कि इन्प्रिड थोड़ा अपने आप में नहीं है लेकिन वह पूरी शाम पार्टी तो एकदम एन्जॉय करती रहीं. बाद में इन्प्रिड के पित का लोगों को फोन आया कि उसे हस्पताल में ले जाया गया लेकिन वहां पर उस ने उसी शाम को दम तोड़ दिया. दरअसल उस पार्टी के दौरान इन्प्रिड को ब्रेन-हैमरेज हुआ था. अगर वहां

पर मौजूद लोगों में से कोई इस अवस्था की पहचान कर पाता तो आज इन्प्रिड हमारे बीच होती. ठीक है ब्रेन-हैमरेज से कुछ लोग मरते नहीं है. लेकिन वे सारी उम्र के लिये अपाहिज और बेबसी वाला जीवन जीने पर मजबूर तो हो ही जाते हैं. स्ट्रोक की पहचान, एक न्यूरोलॉजिस्ट कहते

हैं कि अगर स्ट्रोक का कोई मरीज उन के पास तीन घंटे के अंदर पहुंच जाए तो वह उस स्ट्रोक के प्रभाव को समाप्त (Reverse)भी कर सकते हैं. पूरी तरह से उन का मानना है कि सारी ट्रिक बस यही है कि कैसे भी स्ट्रोक के मरीज की तुरंत पहचान हो, उसका निदान हो, और उस को तीन घंटे के अंदर डाक्टरी चिकित्सा मुहैया हो, और अक्सर यह सब ही अज्ञानता वश हो नहीं पाता. स्ट्रोक के मरीज की पहचान के लिये तीन बातें ध्यान में रखिये और इससे पहले हमेशा याद रखिये - STR. डाक्टरों का मानना है कि एक राहगीर भी तीन प्रश्नों के उत्तर के आधार पर एक स्ट्रोक के मरीज की पहचान करने एवं उसका बहुमूल्य जीवन बचाने में योगदान कर सकता है STR - S- (Smile) आप उस व्यक्ति को मुस्कुराने के लिये कहिए. T- (Talk) उस व्यक्ति को कोई भी सीधा सा एक वाक्य बोलने के लिये कहें जैसे कि आज मौसम

बहुत अच्छा है. R- (Raise) उस व्यक्ति को दोनों बाजू ऊपर उठाने के लिये कहें. अगर उस व्यक्ति को ऊपर लिखे तीन कामों में से एक भी काम करने में दिक्कत है, तो तुरंत ऐम्बुलैंस बुला कर उसे अस्पताल शिफ्ट करें और जो आदमी साथ जा रहा है उसे इन लक्षणों के बारे में बता दें तािक वह आगे जा कर डाक्टर से इस का खुलासा कर सके. नोट – स्ट्रोक का एक लक्षण यह भी है – 1. उस आदमी को जिह्वा (जुबान) बाहर निकालने को कहें. 2. अगर जुबान सीधी बाहर नहीं आ रही और वह एक तरफ को मुड़ सी रही है तो भी यह एक स्ट्रोक का लक्षण हैं. एक सुप्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट का कहना है कि अगर समय रहते सही उपचार मिल जाये तो मस्तिष्क आघात के खतरे को कम करते हुए मरीज की जान बचायी जा सकती है. –  $\frac{1}{10}$ 0 9219195027.

#### फूड पोइजनिंग

Mohit

Hindi & English Medium Children Books

School Books Available Class A to 10th...

Lamination Designing Stickers

te Book Magazines Posters

09412102350, 09997203650, 08126044044

09760102526, 07351100700, 08057100800

95/5, Shyam Baba Building

Printing Pamphlets

आप खाना खाने के दो-तीन घंटे बाद पेट में मरोड़ के साथ दर्द, खूनी दस्त, सिर में भयानक दर्द, आंखों के सामने धुंधला या कमजोरी महसूस करें तो यह फूड पॉइजिनंग की समस्या हो सकती है. फूड पॉइजिनंग ऐसे भोजन के खाने से होती है जो बैक्टीरिया, वायरस या दूसरे रोगाणुओं अथवा तत्वों से संकमित हो जाए, बच्चे और बुजुर्ग फूड पॉइजिनंग के आसानी से शिकार हो जाते हैं. क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है गंभीरता के लक्षण: संक्रमण गंभीर होने पर सांस लेने में तकलीफ होने लगती है. रह-रहकर पेट फूलने लगता है. आंखों और त्वचा मुझीने लगती हैं. जल्दी ही टंड के साथ बुखार गिरफ्त में ले लेता है. जोड़ों में सूजन आ जाती है तथा खून की उल्टियां होने लगती हैं. • सबसे बड़ा कारण रोगाणु:- विशेषज्ञों के मुताबिक फूड पॉइजिनंग के अधिकतर मामलों में स्टेफायलोकोकस या ई-कोलाई बैक्टीरिया का संक्रमण पाया जाता है. यह रक्त, किडनी और तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है इसके अलावा सालमोनेला, स्टेफाइलोकोकाई और क्लॉसट्रिडियम बोट्युलियम जैसे रोगाणु भी खाद्य पदार्थों के संक्रमित होने का सबसे बड़ा कारण बनते हैं. क्लॉसट्रिडियम बोट्युलियम द्वारा उत्पन्न संक्रमण को बोट्युलियम कहते हैं. यह सबसे गंभीर फूड पॉइजिनंग माना जाता है, क्योंकि इसमें रोगाणु सीधे तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और हमें नुकसान पहुंचाते हैं. • अन्य कारण संक्रमण के:- बैक्टीरिया भोजन में कई प्रकार से प्रवेश करके उसे संक्रमित करते हैं. मसलन-पशु या मानव मल के जिर राजसल जब फसल की दूषित पानी द्वारा सिंचाई की जाती है तो फसल संक्रमित हो जाती है और इसके इस्तेमाल से फूड पॉइजिनंग की आशंका बनी रहती है. जब शौच के बाद हाथों को सही तरीके से नहीं धोया जाए तो भी फूड पॉइजिनंग की जबरदस्त आशंका रहती है. • खाना बना कि लिये उपयोग किये जाने वाले बर्तमें और दूसरी वस्तुएं अगर गंदी होती हैं तो चाहे आप जितना महंगा और स्वास्थ्यवर्धक खाना खा रहे हों, उसके कभी भी खतरनाक होने की आशंका रहती है. इसलिए ऐसी चीजों को हमेशा उचित तापमान पर स्टोर करना चाहिए • फड़ पॉइजिनंग की और भी कई वजहें

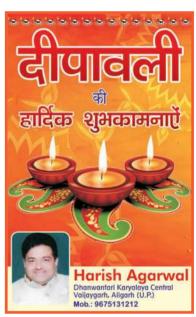
सभी देशवाहियों को दीमों के पादन पर्व दीपावली को हार्दिक शुभकामनायें VETTOPAY

Harish Kumar (Director)

Vettoday

(A ISO Certified Company)
2/500, Begum Bag, Near P.K. Typing, Aligarh (U.P.)

Mobi- 8006239983





तापमान पर रखा जाता है तो फूड पॉइजिनंग की आशंका बनी रहती है. इसलिए ऐसी चीजों को हमेशा उचित तापमान पर स्टोर करना चाहिए. • फूड पॉइजिनंग की और भी कई वजहें होती हैं जैसे फ्रोजन चीजों को उचित तापमान पर स्टोर न करना. कच्ची सिब्जियों और फलों को बिना ठीक तरह से धोए फिर इस्तेमाल करना. अधपके अंडे का सेवन करना. संक्रमित और गंदे जल का सेवन. आवश्यकता से अधिक खाना. सड़े हुए खाद्य पदार्थों का उपयोग आदि. • क्या करें:- खाने-पीने के मामले में गौर करने वाली बात यह है कि खाना कीमती नहीं बिल्क साफ-सुथरा, शुद्ध और सुपाच्य होना चाहिए. खान-पान में साफ-सफाई और हाईजीन का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए. संक्रमण के विभिन्न कारणों की रोकथाम के यथासंभव उपाय करें. फूड पॉइजिनंग को हल्के में न लें और घरेलू उपचार या आराम करने से मरीज को फायदा न हो तो तुरंत नजदीकी अस्पताल या किसी योग्य चिकित्सक के पास ले जाये.



#### अब मात्र 2000/—

लगायें ओर अपने नाम से अपना प्रोडक्ट बनवायें. हम सभी आयुवेर्दिक प्रोडक्ट, फूड प्रोडक्ट, कैप्सूल, सीरप सभी प्रकार के तेल आदि उत्तम गुणवत्ता वाले लगभग 1000 प्रोडक्ट्स बनाते हैं.

60 Industrial Estate, Bhojipura, Bareilly (U.P.) Mob:-09917414219, 09105869380 Email:- rishi.agarwal.in@gmail.com

#### **How Would Pharma Re-construct Its Business** In Post COVID Era?

Pharma Industry post covid eralt is only after the COVID effects on Pharma Industries that entire Pharmaceutical sector came together on a global level to re-vitalize its existence and functioning. The COVID-19 Pandemic has affected all types of businesses, and the Pharma industry is no exception to it. Speculating at the probable steps to revive and transform the industry, there are many strategies which can prove helpful in changing the facet of this sector. If you keep a keen watch at Indian Pharma news, it is quite evident that digitalization, collaborations, and amalgamations are changing the whole algorithm of this business. Coronavirus challenges are tricky to tackle, and the pharma industries are under the sheer pressure of vaccine development amidst the existing restrictions and Government SOP. There are other obstacles like communicating and spreading awareness against this disease in various languages. Updating the media regarding the latest developments and procuring steps to gain business momentum are few other challenges on the hold. Physical conferences are not possible in this phase, and meetings are getting virtual! Sales representatives cannot make visits to collaborate with institutes and organizations, and it is affecting the revenue of Pharma business. If you are a follower of Indian Pharma News, it is trending that Pharma needs a digital boost to regularize and frame strategies for better business prospects. Fighting the Pandemic blues is getting very tough now! Conventional business tactics would no longer work as new alternatives are

available to generate more significant and better collaborations with the partners, investors, stakeholders and other colleagues. Innovations are helping translation technology to overcome the communication problem and help in changing the outlook if Pharma business. Contrasting Collaborations- Global leaders from all across the world, are contributing to a collective sum of £6.5bn to research COVID-19



through a virtual meeting in EU. Earlier, this type of events required months of planning, but today it was just a matter of few days. Until last year, there were invitations given to interpreters who visited such international conferences to translate the complete communication in real-time. But considering the time, travel and cost factors; demand for multilingual or interpreting platforms are at high. Organizers, as well as the participants, use to hire a qualified linguist who could not just translate the language but also the complex terminology of the pharma sector. But now, the virtual interpreting system is playing this part to provide standardization in such events or conferences. Digitalization- Indian Pharma News is full of evidence that digitalization is the new rescue for saving businesses of the Pharma Industries. Key aspects related to the working of the Pharmaceutical Industry are workshops, training and demonstrations. It is vital not just from the research point of view but also business development depends on this part of the working. Communication makes for a massive part of this business as Pharma Industries have HR, Finance, operations and marketing, which now needs e-learning for progression. Seminars need to replace with podcasts and webinars that facilitate digital learning on a remote basis so that industries can upskill their teams for better inputs in the firm. Working on similar projects through a virtual platform is now possible with digitalization. Even businesses can provide tutorials, training, workshops and forums to induce better online interaction that now takes the place of human interaction. Well, that's the only way Pharma Industries can make things work in their favour. Indian Pharms news also highlights that digitalization on awareness of drugs and medicines is also helping pharma partners to capture a broader market while reducing their marketing or promotional costs. Bringing clinical change by languages- Next strategy which Indian Pharma News highlights is the role of trials in medicine development and several vol-



unteers to take the part matter a lot. After all, the number of clinical trials can only justify if the Corona Vaccine is worth a use or mot. 650 pharma groups across the globe are making 460 distinct vaccines and undergoing trials of diverse nationals for this purpose. Spreading awareness about these clinical trials is possible through various online print and video media, which includes patient details, questionnaires, patient outcomes, consent forms and a lot more. All of this is much more vital than you can imagine and framing policies to implement this after the COVID era is going to be tricky. New wake of Indian Pharma Sector- This pandemic shook the world by storm, and everyone is trying their best to recover from its side-effects. Indian Pharma News constantly updates on latest developments in the Pharma business and the role of Pharma Industries to upgrade and retain the old stature of India's medicine business. Final words Post COVID era, India would come up with a full-fledged plan to get over the corona damages and more efficiently manage the business operations and functionalities. Pharma industries are trying to eliminate all constraints of physical travel and using modernization to sustain the effectiveness of Pharma Industries. Even nations all across the world are implying better translation technology so that they can avail a better place on a global platform. Pharma industries are constantly working on upgrading themselves with the latest and upcoming technology to convert all obstacles into opportunities. Although the COVID era might end the learnings soon and need for advancements it generated would stay forever with the world. If you want to know further developments by the Pharma sector to boost up business and communication in the industry, stay tuned to Indian Pharma news. And get to know the real challenges and real achievements that our country is working with!

#### केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में भारत और इजरायल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दी

यूनियन कैबिनेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हेल्थ और मेंडिसिन के क्षेत्र में कोऑपरेशन को लेकर इंडिया और इजरायल के बीच मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (MoU) पर साइन करने की मंजरी दे दी है। मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग में कोऑपरेशन के ये कुछ क्षेत्र शामिल हैं: 1. मेडिकल डॉक्टर्स और अन्य हेल्थ प्रोफेशनल्स को सही तराक स आदान–प्रदान करना आर ट्रानग दना। 2. ह्यूमन ारसासज का डेवलपमेंट और हेल्थ केअर फैसिलिटीज की स्थापना में मदद करना। 3. फार्मा, मेडिकल डिवाइस और कॉस्मेटिक रेगुलेशन के बारे में सही जानकारी का आदान-प्रदान करना। 4. मिटिगेशन और एडाप्टेशन के लिए टार्गेटेड क्लाइमेट रिस्क और पब्लिक हेल्थ कार्यों के खिलाफ, सिटीजन्स के हेल्थ और वल्नेरेबिलिटी असेसमेंट के एक्सपरटाइज को शेयर करने की जरूरत। 5. 'Green Healthcare' (climate&resilient hospitals) के डेवलपमेंट में मदद करने के . साथ–साथ क्लाइमेट–रेसिलेंट इंफ्रास्ट्रक्चर की फसीलिटेटिंग के एक्सपरटाइज को शेयर करने की जरूरत। 6. कई अलग रिलेवेंट क्षेत्र में मम्यूच्यूअल रिसर्च को प्रोमोट करना। 7. कोऑपरेशन के किसी अन्य क्षेत्र में मम्यूच्यूअली निर्णय लिया जाएं। बता दें कि, दूसरे देशों के रिलेवेंट बॉडी द्वारा ऑर्गनाइज कोऑपरेशन के इश्यूज पर हरे पार्टी राउंड टेबल्स, सेमिनार, सिम्पोसिया, वर्कशॉप्स और कॉफ्रेंसस में अपने देशों के रिप्रेजेंटेटिव की पार्टिसिपेशन को प्रोत्साहित करेगी.

#### रफ्तार

वृद्ध सज्जन अपने मंदु गित से स्कूटर पर चले जा रहे थे. यकायक पांच बाइक सवार ऑत तेज गति से उनके अगल-बगल से निकल गए। वृद्ध गिरते-गिरते बचे। चलते-चलते एक बाइक सवार ने कमेंट कर दिया- "इतना धीमे चलना है तो साइकिल क्यों नही चलाते?" वृद्ध सज्जन कुछ नहीं बोले। वे उसी गति से स्कूटर चलाते रहे. तकरीबन, आधे घंटे बाद उन्होंने देखा कि पांचों बाइक सवार एक्सिडेंट करके रोड पर धाराशाई पड़े हैं.

डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म.प्र.), मो॰ 9753698240.

#### परूषों को भी होता है ब्रेस्ट कैंसर, खतरे को बढ़ाती हैं ये 5 बातें

आमतौर पर लोग ऐसा मानते हैं कि स्तन कैंसर या ब्रेस्ट कैंसर का खतरा सिर्फ महिलाओं को होता है. यह सच है कि ब्रेस्ट कैंसर के मरीजों में महिलाओं की संख्या बहुत ज्यादा है मगर पुरूषों को भी इसका खतरा होता है. खास बात यह है कि पुरूषों में होने वाला ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं से ज्यादा जटिल होता है. आमतौर पर इसका खतरा बड़ी उम्र के लोगों को ज्यादा होता है मगर यवाओं में भी इसके कुछ मामले देखे गए हैं. पुरूषों के वक्ष पर मांस ज्यादा नहीं होता है इसलिए ब्रेस्ट में टयूमर का पता पुरूषों में ज्यादा आसानी से लगाया जा सकता है पुरूषों में सबसे आम स्तन टयुमर 'डक्टल कैर्सीनोमा है. कुछ ऐसी बातें हैं, जो पुरूषों में स्तन कैंसर के खतरे कैंसर के खतरे को बढ़ाती हैं. इसलिए ब्रेस्ट कैंसर से बचाव के लिए पुरूषों को इन सभी से सावधानी बरतने की जरूरत है **लिवर की बीमारी** जिन पुरूषों में लिवर की बीमारी होती है उनमें ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा काफी बढ जाता है. अगर कोई भी पुरूष बीआरसीए जीन का वाहक होता है या क्लीन सेल्टर सिंड्रोम से गस्त होता है, तो वह स्तन कैंसर से पीड़ित होने के करीब होता है. इसके अलावा अगर फैटी लिवर सिरोसिस का लंबे समय तक इलाज न किया जाए, तो भी ये कैंसर के खतरे को बढ़ा देते हैं. **रेडिएशन के संपर्क मे आने से** कई बार कुछ रोगों के इलाज के लिए रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है. इस थेरेपी के कारण भी स्तन कैंसर का खतरा बढ जाता है. यदि आपने सीने में किसी अन्य प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए रेडियेशन थेरेपी का सहारा लिया जाता है तो भविष्य में ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना बढ जाती है. **उम्र का बढ्ना** पुरूषों में स्तन के मामले बढ़ती उम्र के साथ ज्यादा देखे गए है. आमतौर पर 40 से 60 साल तक के पुरूषों में ज्यादा होता है. इसलिए उम्र के इस पड़ाव पर आकर अपने खान-पान लाइफस्टाइल आदि में जरूरी बदलाव कर लेने चाहिए. इसके साथ ही अपना वजन, ब्लंड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखना चाहिए. **मोटापा भी हो सकता है कारण** मोटापा कई अन्य रोगों का कारण बनता है मगर पुरूषों में मोटापे के कारण स्तन कैंसर होने की संभावना बढ जाती है दरअसल मोटापे के कारण फैट सेल्स की संख्या शरीर में बढ जाती है जो बाद मे टयूमर का कारण बन सकती है. इसके अलावा फैट सेल्स से शरीर में एस्ट्रोजन की मात्रा बढ़ सकती है. जो कि पुरूषों में ब्रेस्ट कैंसर का प्रमुख कारण है. **शराब और सिगरेट बढ़ता है खतरा** एल्कोहल पीने की आदत के कारण भी पुरूषों में ब्रेस्ट कैंसर होने का अधिक खतरा होता है. इसके अलावा स्मोकिंग भी आपके लिए बहुत हानिकारक है. ये दोनों आदतें शरीर में 100 से ज्यादा रोगों का कारण बन सकती हैं इसलिए शराब और सिगरेट का सेवन अधिक मात्रा में करने से बचना चाहिए, यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी ठीक नहीं है. **पुरूषों में स्तन कैंसर की पहचान** स्तन कैंसर के कारण छाती में भारीपन महसूस होता है. अगर आपको अपने सीने में कोई गांठ महसूस होता हो या भारीपन लगे, तो चिकित्सक से संपर्क करें. पुरूषों में कई बार हार्मोन के बदलाव की वजह से स्तनों के आकार में फर्क आ जाता है. स्तनों के आकार मे जरा सा भी फर्क आने पर चिकित्सक से तुरंत संपर्क करें.

कान में कैंसर होने के संकेत हो सकते है ये 5 लक्षण, तुरंत जाँच कराएं

कान में कैंसर के मामले बहुत ही कम सुनने में आते है. कान का कैंसर नाक या सिर के कैंसर की तरह होते हैं जो त्वचा से कानों तक पहुँच जाते हैं. इतना ही नहीं यह बाह्य कान के अलावा कान के अंदरुनी कैनाल को प्रभावित करता जब कैंसर कान के हिस्सों के कान तक पहुँचने लगता है तो कान में अत्यधिक दर्द होना शरु हो जाता है. कान ट्युमर के विकास से सुनने की क्षमता पर काफी असर पड़ता है. इससे धीरे-धीरे रोगी को कम सुनाई देने लगता है. कोन में कैंसर की समस्या अकसर वृद्धावस्था में शुरू होती है. साठ साल या इससे ज्यादा उम्र के वृद्धों में कान का ज्यादा होता है. **कान के कैंसर के प्रकार:-** 1. क्लोस्टीटोमा 2. स्कावमस सेल सार्किनोमा. विशेषज्ञों का कहना है कि ये दोनों प्रकार के कैंसर कान के अंदर विकसित होते हैं और बाद में ये धीरे-धीरे परे शरीर में फैलने लगते हैं. कान में होने वाले कैंसर के इलाज के लिए सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडिएशन का सहारा लिया जाता है. इन उपचारों को अपनाने से यह पता करना जरुरी है कि रोगी किस प्रकार के कान के कैंसर से ग्रसित है और इसका पता उसमें दिखाने वाले लक्षणों से किया जाता है. कान के द्रव्य पदार्थ का निकलना:- कई बार मरीज को कान से पानी जैसा पदार्थ व ब्लड निकलने की शिकायत होती है. इसकी वजह से कान में संक्रमण व खुजली की समस्या शुरु हो जाती है. इन समस्याओं को गम्भीरता से लें तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें. **ईअरड्रम का क्षतिग्रस्त होना:-** इस मामले में कान से पीला व सफेद पदार्थ निकलता है. यह संकेत है कि मरीज के ईअरड्म को नुकसान पहुँच रहा है. इसका मुख्य कारण है तेज ध्वनि, कान में बाह्य वस्तु का प्रयोग, ईअर ट्रांमा आदि. कान में इंफेक्शन:-कान में किसी तरह का

संक्रमण कैंसर की तरफ इशारा करता है. इस समस्या को ठीक होने में एक महीने का समय लगता है. **सुनाई देना बंद होना:-** अगर मरीज को पूरी तरह से सुनाई देना बंद हो गया है तो यह कान के कैंसर का लक्षण हो सकता है. इस के मामले में मरीज को अकसर सिर दर्द व चक्कर आने की शिकायत होती हैं इसके अलावा मरीज के कानों का बजना, अलसर की शुरुआत व रक्त निकलना जैसी समस्याएँ भी देखी जाती हैं. कान की देखभाल:-थोड़ी सी लापरवाही कान के लिए खतरनाक साबित हो सकती है. यदि कान में मैल जम जाए और ठीक से सफाई नहीं की जाए तो मैल की परत धीरे-धीरे पत्थर जैसा रुप धारण कर लेती है. इसके कान का रास्ता बंद हो जाता है तथा रोगी को दर्द के साथ ऊँचा भी सुनाई देने लगता है. ऐसे में यदि शुरुआत से ही कुछ बातों का ध्यान रख लिया जाए तो आप समस्या से दो-चार होने से बच सकते हैं. इसके अलावा कान को किसी नुकीली चीज से छेदने से कान में संक्रमण हो सकता है. कुछ वस्तुएँ जैसे क्रीम, इत्र कान में उपयोग में आने वाली दवाइयों की एलर्जी से भी संक्रमण होता है. कान लाल हो जाता है. खुजली होती है एवं दर्द हो सकता है. लोगों को इन चीजों का उपयोग न करने की सलाह दी जाती है.

#### खतरनाक हो सकती है, आँखों के पर्दे की सूजन, यह हैं इसके लक्षण और उपचार

आँखें शरीर के सबसे नाजुक अंगों में से एक है क्योंकि इनके पीछे बहुत महीन टिशूज होते हैं. आँखों की परेशनियों को कई बार छोटी परेशानी मानकर नजरअंदाज करना भारी पड सकता है. चलती हुई चीजें दिखाना या आँखों के आगे अँधेरा छा जाना ऐसी ही छोटी समस्याएं हैं, जिन्हें अक्सर आप आँखों की थकान मानकर नजरअंदाज कर देते हैं. मगर ये सामान्य से दिखने

वाले लक्षण आँखों के पर्दे में सूजन की वजह से भी आपको महसूस हो सकते हैं. आँखों के पर्दे की सूजन को मैडीकल की भाषा में मैक्युलर इंडिमा कहते हैं. ये एक खतरनाक रोग है, जो लोगों को अँधा भी बना सेकता है. आइए आपको बताते हैं इस रोग के बारे में. क्या है आँखों में पर्दे की सूजन:- आँखों में पर्दे की सूजन यानी मैक्युलर इडिमा एक खतरनाक रोग है इस रोग में रेटिना के केन्द्र वाले भाग, जिसे मैक्युला कहा जाता है, में फ्लूएड यानी तरल का जमाव हो जाता है. रेटिना हमारी आँखों का सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है, जो बहुत सारी कोशिकाओं की एक संवेदनशील परत से बना होता है. रेटिना के पिछले भाग में मौजूद मैक्युलर वह हिस्सा है, जो हमें दूर की वस्तुओं और रंगों को देखने में सहायता करता है. जब किसी कारण से आँखों की रोटिना में तरल पदार्थ ज्यादा हो जाता है, तो आँखों के पर्दे पर सूजन आने लगती है. इसी रोग को मैक्युलर इंडिमा कहते हैं. **कितना खतरनाक है मैक्युलर इंडिमा:**- मैक्युलर इंडिमा के कारण आमतौर पर देखने में परेशानी हो सकती है और आँखों में दर्द और सूजन की शिकायत हो सकती है. मगर इसका समय पर इलाज किया जाना जरुरी है अन्यथा जल्दी ही ये आँखों के अँधेपन का भी कारण बन सकता है. मैक्युलर इंडिमा के लक्षण दिखने पर चिकित्सक से तुरंत संपर्क करना जरुरी है. **क्या हैं मैक्युलर इंडिमा के लक्षण:**– शुरुआती स्टेज में जब रेटिना में तरल पदार्थ बढ़ना शुरु होता है, तब आमतौर पर कोई खास लक्षण नहीं नजर आते हैं. कभी-कभी आँखो कुछ सेकंड या सेकंड से भी कम समय के लिए आँखों के आगे अँधेरा छा सकता है और कई बार हल्का-फुल्का दर्द महसूस हो सकता है मगर जब सुजन ज्यादा बढ जाती है और रक्त निलकाएँ ब्लॉक होने लगती हैं, तब चीजें धुँधली दिखाई देने लगती हैं. सुजन जितनी ज्यादा और गंभीर होगी, उतना ही अधिक धुँधला और अस्पष्ट दिखाई देता है. इसके साथ ही मैक्युलर इंडिया के निम्न लक्षण हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए. ऑखों के आगे अँधेरा छा जाना. • चीजें हिलती हुई या चलती हुई दिखाई देना. • पढ़ने में कठिनाई होना. • चीजों के वास्तविक रंग दिखाने देना. • दृष्टि विकृत हो जाना. • सीधी रेखाएँ, टेढ़ी दिखाई देना. • आँखों के पर्दे का तेज रोशनी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाना. **किन लोगों को होता है मैक्युलर इडिया का खतरा:-** वैसे तो अलग-अलग कारणों से इस रोग का खतरा हर रोग का खतरा हर उम्र के लोगों को होता है मगर इस बीमारी का असर सबसे ज्यादा डायबिटिज के रोगियों को और बड़ी उम्र के लोगों को होता है. कई बार उन लोगों को भी इसका ख़तरा होता है, जिनके परिवार में आँखों के रोगों का इतिहास रहा हो. आमतौर पर ये रोग निम्न कारणों से हो सकता है. सबसे ज्यादा खतरा डायबिटिज

के मरीजो को होता है. रक्त वाहिनियों से जुडे रोगों में. कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण. बढ़ी हुई उम्र के कारण (एज रिलेटेड मैक्युलर डिजनरेशन). जेनेटिक कारणों से (रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा) आँखों में ट्यूमर हो जाने के कारण. मैक्यला में छेद हो जाने के कारण. रेडिएशन के कारण रेटिना की महीन शिराओं में अवरोध होने पर. आँख में गंभीर चोट लग जाने पर. आँखो की सर्जरी, जैसे मोतियाबिंद, ग्लुकोमा या रेटिना संबंधी मामलों में सर्जरी में. मैक्यूलर इडिमा का इलाज:- आँखों के पर्दे में सुजन दिखाई देने पर या मैक्यूलर इंडिमा के लक्षण दिखाई देने पर डॉक्टर कई तरह की जाँच के लिए कहते है और इस रोग की पृष्टि हो जाने पर मैक्यूलर और उसके आसपास असामान्य रक्त वाहिकाओं से तरल के अत्यधिक रिसाव को ठीक किया जाता है. मैक्युलर इडिमा के उपचार में दवाएँ, लेजर और सर्जरी प्रभावी होते हैं. पर इंट्राविट्रियल इंजेक्शन (आईवीआई) सबसे प्रचलित है. यदि मैक्युलर इंडिमा एक ही जगह पर है तो फोकल लेजर किया जा सकता है.

### खतरनाक है एस्प्रीन के संग ब्रुफेन लेना

Rank No. 7

Sildenafil Citrate Tablets

Mankind|||>

MANKIND PHARMALTD.

With the Wide Range of : Capsules Liquids Dry Syrup Gels Ointments Quality formulation with DCGI Approved Molecules Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing Brand Promotional Input Like..... Visual aid Sample Catch covers Visiting Cards • Product Literature • MR Bags • DCR Pad • Gifts Plot no-308. Industrial Area. Phase-1 **AELIX HEALTHCARE** Panchkula (Haryana) 134113 E-Mail:- info@aelixhealthcare.com Website:- www.aelixhealthcare.com (An ISO 9001:2015 Certified Co.)

Ph. No- 7657824959, 9915760005 है दिल के दौरे की संभावना अगर आप दिल के मरीज हैं और अक्सर एस्प्रीन के साथ ब्रूफेन लेते हैं तो महाशय, आप बड़ी आफत को बुलावा दे रहे हैं. एक शोध के मुताबिक इन दोनों दवाओं को साथ में लेने से दिल का दौरा पड़ने की संभावना नौ गुना बढ़ जाती है. इस शोध के अनुसार एस्प्रीन के साथ ब्रफेन का सेवन दिल के दौरे का खतरा काफी बढ़ा देता है. साथ ही, यह गठिया और दिल की बीमारी दोनों से जूझ रहे रोगियों के खून में थक्का जमने की प्रवृति को भी बढ़ाता है. इस शोध के नतीजे डॉक्टरों के प्रसिद्ध जर्नल, एनल्स ऑफ रुयूमेटिक डीजिज के ताजा अंक में छपे हैं. इसमें कहा गया है कि डॉक्टरों को दिल की बीमारी के साथ-साथ हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रोल का इलाज करते वक्त भी मरीजों को ब्रुफेन काफी सोच समझ कर देना चाहिए. वैसे जब से यह पता चला है कि पेनकिलर्स (दर्दनाशक दवाओं) का दिल पर बुरा असर पड़ता है, डॉक्टर खुद इन दवाओं को देने से परहेज करते हैं. दिल्ली के अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर डॉ० तरूण साहनी ने कहा कि ब्रूफेन और ऐसी दूसरी दवाएं ब्लडप्रेशर बढ़ाती हैं. इससे दिल का दौरा पड़ने का खतरा हो जाता है. हम तो इसे मरीजों को देते ही नहीं. शोध के लिए वैज्ञानिकों ने गठिया के करीब 18 हजार बूढ़े मरीजों के स्वास्थ्य पर एक साल तक नजर रखी. ये लोग नियमित तौर पर ब्रूफेन का सेवन करते थे. इनमें कुछ एस्प्रीन भी लेते थे. जब नतीजे सामने आए तो शोधकर्ता चौंक पड़े. उन्होंने पाया कि ब्रूफेन एस्प्रीन की खून को पतला करने की क्षमता को प्रभावित करता है. ब्रूफेन और एस्प्रीन साथ लेने वाले व्यक्ति में दिल का दौरा पड़ने की

> काट देते हैं. यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए काफी खेतरनाक हो जाती है. इससे पहले भी कई शोध यह साबित कर चके हैं कि पेनिकलर्स दिल की सेहत के लिए काफी खतरनाक होते हैं. मैडीकल जगत की सबसे सम्मानित पत्रिकाओं में एक, जर्नल ऑफ रॉयल सोसाइटी ऑफ मैडीसीन ने भी दावा किया था कि ये दवाएं दिल के दौरे का खतरा दोगुना बढ़ा देती हैं.

संभावना नौ गुना तक बढ़ जाती थी. डॉ॰ साहनी ने कहा कि ब्रूफेन और एस्पीन एक दूसरे के असर को

#### क्यों होती है पित्त की पथरी और किन आहारों से करना चाहिए परहेज

खानपान की गलत आदतों की वजह से आजकल लोगों में गॉलस्टोन यानी पित्त की पथरी की समस्या तेजी से बढ़ रही है. पित्ताशय हमारे शरीर का एक छोटा सा अंग होता है जो लीवर के ठीक पीछे होता है. पित्त की पथरी गंभीर समस्या है क्योंकि इसके कारण असहनीय दर्द होता है. इस पथरी के निजात पाने के लिए आपको अपने खान-पान की आदतों में कुछ बदलाव करने जरूरी हैं. आइए आपको बताते हैं कैसे होती है पित्त में पथरीं और किन आहारों के सेवन से आपको बचना चाहिए. क्यों महत्वपूर्ण है पित्त की थैली:- लिवर से बाइल नामक डाइजेस्टिव एंजाइम का सैक्रीशन निरंतर होता रहता है. उसके पिछले हिस्से में नीचे की ओर छोटी थैली के आकार वाला अंग होता है, जिसे गॉलब्लैडर या पित्ताशय कहते हैं. पित्ताशय हमारे पाचन तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लिवर और छोटी आँत के बीच पुल की तरह काम करता है. इसी पित्ताशय में ये बाइल जमा होता है. एक स्वस्थ व्यक्ति का लिवर पूरे 24 घंटे में लगभग 800 ग्राम बाइल का निर्माण करता

है. कैसे बनती है पित्त में पथरी:- पाचन के लिए आवश्यक एंजाइम को सुरक्षित रखने वाले महत्वपूर्ण अंग यानी पित्ताशय से जुड़ी सबसे प्रमुख समस्या यह कि इसमें स्टोन बनने की आशंका बहुत अधिक होती है, जिन्हें गॉलस्टोन कहा जाता है. दरअसल जब गॉलब्लैडर में तरल पदार्थ की मात्रा सुखने लगती है तो उसमें मौजुद चीनी-नमक और अन्य माइक्रोन्युट्रिएंट तत्व एक साथ जमा होकर छोटे-छोटे पत्थर

11.11.2020

12.11.2020

के टुकड़ों जैसा रूप धारण कर लेते हैं, जिन्हें गॉलस्टोन्स कहा जाता है. कभी-कभी पित्ताशय में कोलेस्ट्राल, बिलीरुबिन और पित्त लवणों का जमाव हो जाता है. अस्सी प्रतिशत पथरी कोलेस्ट्राल की बनी होती है. धीरे-धीरे वे कठोर हो जाती हैं तथा पित्ताशय के अंदर पत्थर का रूप ले लेती हैं. कोलेस्ट्रॉल स्टोन पीले-हरे रंग के होते हैं. **पित्त की पथरी** के लक्षण:- शुरुआती दौर में गॉलस्टोन के लक्षण नजर नहीं आते. जब समस्या बढ़ जाती है तो गॉलब्लैडर में सूजन, संक्रमण या पित के प्रवाह में रुकावट होने लगती है. ऐसी स्थिति में लोगों को पेट के ऊपरी हिस्से की दायीं तरफ

दर्द, अधिक मात्रा में गैस की फर्मेशन, पेट में भारीपन, वोमिटिंग, पसीना आना जैसे लक्षण नजर आते हैं. पित्त की पथरी में परहेज:-पित्त की पथरी से पीड़ित लोगों को हाई कोलेस्ट्रॉल वाले खाद्य पदार्थ जैसे कि तला हुआ भोजन, फ्राइड चिप्स, उच्च वसा वाला माँस जैसे बीफ और पोर्क, डेयरी उत्पाद जैसे क्रीम, आइसक्रीम, पनीर, फुल-क्रीम दूध से बचना चाहिए. इसके अलावा चॉकलेट तेल जैसे नारियल तेल से बचा जाना चाहिए. मसालेदार भोजन गोभी, फूलगोली, शलजम, सोड़ा और शराब जैसी चीजों से एसिडिटी और गैस का खतरा होता है, इसलिए ये चीजें भी न खाएँ. पित्त की पथरी का इलाज:- अगर शुरुआती दौर में लक्षण की पहचान कर ली जाए तो इस समस्या को केवल दवाओं र नियंत्रित किया जा सकता है. ज्यादा गंभीर स्थिति में सर्जरी की जरूरत पड़ती है. पुराने समय में इसकी ओपन सर्जरी होती थी जिसकी प्रक्रिया ज्यादा तकलीफदेह थी लेकिन आजकल लेप्रोस्कोपी के जरिये गॉलब्लैंडर को ही शरीर से बाहर निकाल दिया जाता है और मरीज शीघ्र ही स्वस्थ हो जाता है.

#### वफादारी

घर का मुखिया सात दिन के लिए शहर से बाहर गए हुए थे. उनका प्यारा कुत्ता पहले दिन ही घर के मुख्य द्वार पर बैठ गया खाना न के बराबर ही कर दिया बस चुपचाप मुंह लटकाए बैठ रहता. मुखिया के लौटते ही सब कुछ पहले जैसा हो गया. स्पष्ट समक्ष में आ रहा था कि वफादारी क्या है.

– डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म.प्र.), मो॰ 9753698240

''अगर आप सोचते हैं कि ज्ञान पाना महंगा है, तो अज्ञानी बनकर देखो

₹,	13.11.2020 धन तेरस, यम पंचक प्रारम्भे, यम
ŗ,	दीपक, प्रदोष व्रत, काली चौदस, हनुमान पूजा,
Ŧ,	मासिक शिरात्रि
प्रे	14.11.2020 नरक चतुर्दशी, तिमल दीपावली,
ग	दीवाली, लक्ष्मी पूजा, दीपमालिका, केदार गौरी
ή. Π	
'' प्रे	व्रत, चोपडा पूजा, शरदा पूजा, काली पूजा,
	कमला जयन्ती, दुर्श अमावस्या, नेहरू जयन्ती
गी	15.11.2020 कार्तिक अमावस्या, गोवर्धन पूजा,
t,	अन्नकूट, बलि प्रतिपदा, दयूत क्रीडा
न	16.11.2020 चन्द्र दर्शन, नव सम्वत प्रारम्भ,
न	भैया दूज, यम द्वीतीया, वृश्चिक संक्रान्ति,
	मण्डला काल प्रारम्भ
	18.11.2020 नागुला चिवथी, विनायक चतुर्थी
1	19.11.2020 लाभ पंचमी
6	20.11.2020 छठ पूजा, सूर सम्हारम
	21.11.2020 अष्टाहिनका विधान प्रारम्भ
i.	22.11.2020 गोपाष्टमी, मासिक दुर्गाष्टमी
1	
ſ.	23.11.2020 अक्षय नवमी, जगद्धात्री पूजा
ſ.	24.11.2020 ू कंस वध
5T	25.11.2020 देवुत्थान एकादशी, भीष्म पंचक
ज ज	प्रारम्भ
	26.11.2020 वैष्णव देवुत्थान एकादशी, तुलसी
ट	

नवम्बर माह के त्यौहार

रमा एकादशी

गोवत्स द्वादशी

विवाह, योगेश्वर द्वादशी, गुरूवायुर एकादशी 27.11.2020 28.11.2020 वैकुण्ठ चतुर्दशी, विश्वेश्वर व्रत 29.11.2020 मणिकार्णिका स्नान, चौमासी चौदस, देव दीवाली, पूर्णिमा उपवास, भीष्म पंचक समाप्त

30.11.2020 कार्तिक पूर्णिमा, पुष्कर स्नान, चन्द्र ग्रहण, गुरू नानक जयन्ती, अष्टाह्निका विधान पूर्ण, रथ यात्रा, रोहिणी व्रत

## Happy Birthday

Name	Firm	City	D.O.B.	D.O.M.	Mob		
Anil Dutt Sharma	-	Rewari	19.11.56	-	9813123243		
Om Prakash Khandelwal	Khandelwale Medical Agecny	Jodhpur	27.11.52	-	9413319093		
Vinay Bakliwal	Vinay Enterprises	Indore	19.11.66	-	9827034477		
Abhijit Pachpute	Abhijeet Pharma	Dhule	12.11.81	-	8007761099		
Cheten Bhadane	Life Medical & Gen. Store	Dhule	23.11.85	-	9420378136		
Dhanjay Girhepunje	Shree Medical & Gen. Store	Bhandara	25.11.84	-	8275398391		
Topesh Rahangdale	Jayshri Medicose	Seoni	16.11.77	-	9425888813		
Ashish A. Jain	B.J. Medicose	Gondia	06.11.80	-	9422131261		
Paresh N. Chauhan	Nividita Medical Store	Gondia	02.11.83	-	9823219202		
Raian Sood	Paras Lab.	Chandigarh	23.11.61	-	9356056608		

मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस की तरफ से आप सभी को जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनायें

e-derma

#### www.edermapharma.com Marg ERP And Paytm Partners To



One of India's biggest enterprise solution provider; Marg ERP with over 50% market share in Pharma and FMCG sector nationally has come together with Paytm to facilitate seamless transactions for MSMEs. Under this joint venture, the

edermapharma@hotmail.com

duo empowers MSMEs using a new integrated payment solution called Marg Pay developed by MARG ERP. This technological advancement will reconcile payments efficiently in a cost effective manner by enabling MSMEs to keep a track of all their receipts and payments made through multiple payment methods like UPI, Net Banking, Credit Card, Debit Card, Wallets & NBFC. According to Krishnam Raju, CEO Marg ERP Ltd.; a CMMI Level 3 certified company with 850+ sales & support system countrywide which processes 20 billion+ invoices worth 100 billion dollar per year, says that SME and MSMEs are facing huge problem of payment reconciliation with advent of multiple internet technology platforms and various payment options like Net Banking, UPI, Wallets, cards etc. The small businesses finds it a challenging task to deal with multiple service providers, interfaces and expensive solutions which are beyond their ability to understand and are also not affordable for them. It adds complexity and confusion both at the time of collecting and making payments in their business. To make the Ordering process easier, Marg ERP has developed 'My Shop QRID' in its software for the distributors who operate in the wholesale markets and for the shopkeeper whose shops are thronged by the customers themselves. They have to simply list & upload products, schemes, offers in QR code and print the QR code from the software and need to paste it outside the shop/counter where customers can directly scan & place orders. With a goal to support the local SMEs & SMBs, Marg ERP Ltd. has decided to provide every Marg user to set up their online store, create digital catalogues & reach more customers with free personalized SEO friendly website worth Rs. 5000. Marg has also provided a very beneficial feature through which users can send Invoices, Outstandings, Stock and Sale Analysis etc. & various reports to customers directly on WhatsApp through Software. Along with it, through eRetail Web Application, the customers can directly place online orders to distributors & amp; check status of all orders, View nearby distributors, schemes inside Marg ERP Software. He further adds, "MARG PAY is an easy to use platform with user friendly interface. It will also be very easy for merchants to connect it with their billing and accounting system with minimum effort. Furthermore, this partnership of two digital giants of the country will also extend to Paytm Payments Bank Limited powering Marg Pay's nodal bank account." Saloni Malhotra, Vice President - Paytm said, "It has been our constant endeavour to empower MSMEs across the country with the best payment acceptance and reconciliation solutions to help them join the digital ecosystem. We want to enable them with technology solutions that help them maintain their records and also aid in expanding their businesses. With this partnership, we aim to reach a step closer to Atmanirbhar Bharat, where MSMEs have all the digital means to become self-reliant." Paytm Payment Gateway is a leader in India with over 50% market share in processing transactions through Wallet, UPI, cards and net-banking. It offers several innovative services, such as Payouts & Recurring payments, OTP less card payments, instant refunds, and pre-authorization flow that addresses the needs of both B2B and B2C companies. Paytm Payments Gateway allows merchants to enjoy real-time bank settlement and is based on anti-fraud technology to ensure secure payments. It also provides a strong dashboard to see the payments received and bank settlements. - Marg Fintech Pvt. Ltd, Delhi, Ph.: 011-30969696.



www.dhkriticalcare.com, Email: dhbiotech2017@gmail.com

Ph. No. 017224731211, Toll Free No. 18008893916

Contact Miss Priyanka for PCD & 3rd Party Manufacturing 6283287838,

#### जगन्नाथ शिन्दे बने पन: MSCDA अध्यक्ष



एक बार फिर देश भर में कैमिस्ट हृदय सम्राट के नाम से विख्यात श्री जगन्नाथ शिन्दे जी (अप्पा जी) MSCDA के अध्यक्ष चुन लिये गये हैं. उनके पुन: यह पद संभालने पर महाराष्ट्र राज्य के कैमिस्टों में उत्साह एवं खुशी का माहौल है, कल्याण स्थित अप्पाजी के निवास पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा. मैडिकल दर्पण मीडीया की तरफ से शिन्दे जी

को इस उम्मीद के साथ ढेर सारी शुभकामनायें कि वो अपने इस कार्यकाल में कैमिस्ट हितों का सम्पूर्ण ख्याल रखते हुए आनलाईन दवा बिक्री जैसी कुरीति से देश भर के कैमिस्टों को मुक्ति दिलायेगें. - अभय सिंघल, मो॰ 9319980483.

#### दवाइयाँ Sub Standard पायी गयीं

विभिन्न सूत्रों से प्राप्त सूचनाओं के अनुसार निम्न कम्पनियों की दवाइयाँ Sub Standrad पायी गयी हैं, यदि कम्पनी को यह खबर भ्रामक लगती है, प्रमाण सहित अपने विचार भेज सकती है, हमें अगले अंक मे खेद प्रकट करने मे कोई समस्या नही होगी.

Ultra-Chiron Pharmaceuticals, Mohali (Punjab) Balu Surgicals, Tamil Nadu • Dr. Edwin Lab (Punjab) • Ananya Herbal, Sonepat (Haryana) Swiss Garnier Biotech, Una (H.P.) • Hindustan Antibiotics, Pune • Akums Drugs & Pharmaceuticals, Haridwar (U.P.) Pharma, Kangra (H.P.) • Unicure India, Gautam Budh Nagar (U.P.) • Cian Healthcare. Haridwar (U.K.) • Yashwin Healthcare, Sonipat (H.R.) • Zim Laboratories, Nagpur (M.H.) • Astam Healthcare, Solan (H.P.) • Biotech, Baddi (H.P.) Pharmaceutical, Solan (H.P.) Intas Pharmaceuticals, Sikkim • Ortin Laboratories, Medak (Andhra Pradesh) • Rednex Pharmaceuticals, Haridwar (U.P.) Morepen Laboratories, Solan (H.P.) • Himalaya, Dehradun (U.K.) Stallion Laboratories, Ahmedabad (Gujarat) Torrent Pharmaceuticals, Nani Daman • Premier Enterprises, Chatrapatti (Tamil Nadu) • Bayberry Pharmaceuticals, Solan (H.P.) • Anecxa Pharma (U.K.) • Modern Laboratories, Indore (M.P.) • Unital Formulations, Solan (H.P.) • SBS Biotech, Sirmour (H.P.) • Nootan Pharmaceuticals, Solan (H.P.) • HLL Lifecare, Indore (M.P.) • Ravenbhel Healthcare, Jammu Abicee Pharmaceuticals, Bhubaneswar • Mariya Healthcare, Kerala • Pharmaceuticals, Nagpur • Deep Pharma, Ahmedabad • Brilliant Life Sciences, Ahmedabad (Gujarat) • Zest Pharma, Indore (M.P.) • Unicure India, Gautam Budh Nagar (U.P.) • Vivek Pharmachem, Amer (Jaipur) • SBS Biotech, Sirmour (H.P.) • Orison Pharma,

Amb (H.P.) • Kwality Pharmaceuticals,

Amritsar (Punjab) • Nootan Pharmaceuticals,

Solan (H.P.) • Bonn Schtering Bio Sciences,

Puducherry • Wilcure Remedies, Amritsar •

Laborate Pharmaceuticals, (H.P.) Pharmaceuticals, Punjab • Paschim Banga Pharmaceuticals, (W.B.) • Neutec Healthcare, Globin Pharmaceuticals, Roorkee (U.K.) • Voda Chemicals, Delhi • Hi Tech International Gurgoan . JR & Co., DLF New Delhi • Digital Vision, Sirmour (H.P.) Theramax Laboratories, Ambala (Punjab) • Swisskem Healthcare, Una (H.P.) • ANG Lifesciences, Solan(H.P.) • Pushkar Pharma (H.P.) ● Haustus Biotech, Una (H.P.) • FDC Limited, Goa • Modern Laboratories, Indore (M.P.) • Cipla Ltd. Bhavani Pharmaceuticals • Sikkim • Elegant Drugs, Dharwad (Karnataka) • Shashi Pharma, Gandhinagar (Guj.) • Synokem Pharmaceuticals, Haridwar (U.K.) • Progression Industries, Solan (H.P.) • Mercury Laboratories, Vadodara • Bioconic Remedies, Sirmour (H.P.) Omega Biotech, Roorkee (U.K.) • CMG Biotech (H.P.) • Cian Healthcare, Haridwar (U.K.) Haseeb Pharmaceuticals, Nagpur • Healthcare, Solan (H.P.) Biomax Biotechnics, Barwala (Haryana) • Gracure Pharmaceuticals, Solan (H.P.) • M Sea Pharmaceuticals, Sirmour (H.P.) • Tanpal Pharmaceuticals, Nabha • Juggat Pharma, Bengaluru • Bengal Chemicals & Pharmaceuticals • Cotec Healthcare, Dehradun (U.K.) • Danish Healthcare, Ujjain • Elvia Care, Solan (H.P.) • Ramson Remedies, Mumbai • D.J. Laboratories s, Pithampur • Lesanto Laboratories, Palghar (M.H.)

जगन्नाथ शिन्दे जी का भव्य स्वागत एक समारोह में नासिक जिला कैमिस्ट एसोसियेशन की तरफ से श्री जगन्नाथ शिन्दे जी का पुन: MSCDA निर्विरोध अध्यक्ष बनने पर भव्य स्वागत किया गया. समारोह में नासिक कैमिस्ट एसोसियेशन की ओर से श्री जगदीश भोंसले. रतनाकर वाणी और योगेश बागरेचा ने मालार्पण कर शिन्दे जी का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी.

- जगदीश भोंसले, मो॰ 9370266007.



#### जागरूकता पैदा करें

मैनपुरी:- कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना में पात्रों के गोल्डन कार्ड बनाने की प्रगति जिले में ठीक नहीं मिली, परिवार नियोजन की स्थिति ठीक नहीं होने पर जिलाधिकारी महेन्द्र बहादुर सिंह ने नाराजगी दिखाई। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान डीएम ने जिले के विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पीएम, सीएम के प्राथमिकता वाले प्रमुख आवश्यक कार्यों को पारदर्शिता के साथ अति शीघ्र पूर्ण करें. उन्होंने कहा है कि तीन-तीन विकास खण्डों में रोस्टर बना कर प्रत्येक रविवार को कैम्प लगाकर पात्र लोगों के गोल्डन कार्ड बनाये जायें. अभी तक महिलाओं, पुरुषों की नसबंदी प्रगति शून्य होने पर नाराजगी व्यक्त कर, कहा है कि 2 से अधिक बच्चों वाले लोगों को कैम्प लगाकर परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता पैदा कर संतुलित परिवार के लाभों को बताएं. जिलाधिकारी ने कहा है कि सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में सभी मेडीसिन उपलब्धि रहे। 102, 108 एम्बुलेंस में जीवन रक्षक उपकरण, दवाएं उपलब्ध रहें उक्त निर्देश डी. सी. एन. आर. एल. एम. को दिए हैं. समीक्षा में डीएम ने पशु चिकित्साधिकारी से कहा है पशुओं की बिना इयर टैगिंग के खरीद फरोख्त ना की जाये, खण्ड विकास अधिकारी, प्रधानों से सहयोग लेकर पशुओं का बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण पर ध्यान देने के सख्त निर्देश दिए हैं. इस मौके पर मुख्यमंत्री के समीक्षा कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी बी राम, मुख्यविकास अधिकारी CDO श्रीमती ईशा प्रिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ए. के. पांडेंय, जिला विकास अधिकारी प्रवीण कुमार रॉय, जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुर्रहमान, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी विजय प्रताप सिंह व अन्य विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद रहे. - मनोज कुमार वर्मा, मो<sup>®</sup> 9411851614.

#### वर्गीकरण

स्कुल के प्रिंसिपल को खासा आश्चर्य हुआ जब एक बच्चे के पिता ने आकर कहा– भेरे लडके का टी.सी.काट दीजिए। उसे यहां के माहौल में रखा नहीं जा सकता। हम शिक्षित प्रतिष्ठित लोग हैं। यह कैसे संभव हैं कि हमारे घर के नौकर का लड़का भी उसी क्लास में पढ़े जिसमें मेरा बेटा पढ़ रहा हो?" प्रिंसिपल सोच में पड़ गए "क्या ये सज्जन शिक्षित और प्रतिष्ठत कहलाने लायक है?

- डॉ॰ नरेन्द्र नाथ लाहा, ग्वालियर (म.प्र.), <mark>मो॰ 9753698240.</mark>



- TABLETS/CAPSULES/BOLUS (Beta/Non-Beta)
- LIQUID/DRY ORALS
- **ORAL POWDERS**
- OINTMENTS/CREAMS/SOLUTIONS/
  - LOTIONS/DUSTING POWDERS
- **MOUTHWASH/SHAMPOO/PROTEIN POWDER**
- INJECTABLES

ECTOPARASITICIDALS (FLUMETHRIN, DELTAMETHRIN, CYPERMETHRIN, AMITRAZ Etc.)

#### AYURVEDIC PREPARATIONS

Trade Enquiries Please Contact : FOR FRANCHISEE/PCD 099960-19744. 078762-20222. 094160-32336. 09896063336 FOR THIRD PARTY: 099960-19744. 89300-63336. 78762-20222.



## GRAMPUS LABORATORIES

Mfg. Unit: Johron, Near Industrial Area, Kala Amb.(H.P)
Email-id: sales.grampus@gmail.com Web Site: www.grampuslaboratories.com